हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–244 : जौनपुर, शनिवार 03 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

मुख्यमंत्री योगी ने 93 बसों को दिखाई हरी झंडी: यूपी के अलग–अलग जिलों से दिल्ली जाएंगी

लखनऊ ब्यूरो: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यात्रियों के अधिकार और उनके विश्वास को कायम रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने 93 नई राजधानी सेवा एवं 7 साधारण बीएस–6 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सुगम यात्रा और सुरक्षित यात्रा हर नागरिक का अधिकार है। ये सरकार का दायित्व बनता है कि जिस विश्वास के साथ एक पैसेंजर यात्रा करता है, हमें उसके इस अधिकार का अपने कर्तव्यों के ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए करना चाहिए। यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी अवास पर 93 नई राजधानी सेवा एवं 7 साधारण बीएस–6 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारे सामने सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों के आंकड़े अत्यंत भयावह है। अगर एक वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश के आंकड़े को ही प्रस्तुत करूं तो एक भयानक दृश्य सामने आता है। तीन वर्ष में कोरोना जैसी बीमारी से जितनी जानें नहीं गईं, उससे ज्यादा मौतें एक वर्ष में सड़क दुर्घटना में होती हैं। ओवरस्पीडिंग के कारण, सड़क इंजीनियरिंग फाल्ट के कारण, या फिर नियमों के उल्लंघन के चलते सड़क दुर्घटना होती है और किसी मासूम की जान जाती है। यह हम सबके लिए न केवल एक चेतावनी है बल्कि चिंता का विषय भी है। व्यापक जागरूकता से, सड़क के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने से हम असंख्य लोगों की जान बचा सकते हैं। हमारे लिए एक–एक जान कीमती है। यह जान एक परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए यह अमूल्य निधि है। हर गांव और हर शहर तक हो बस की सुविधा सीएम योगी ने प्रदेश में रोड एक्सीडेंट और इससे होने वाली मौतों को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी एक्सीडेंट से होने वाली मौत को रोकने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान प्रारंभ करना एक राष्ट्रीय कार्यक्रम होगा। इस संबंध में केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने भी बार–बार चिंता व्यक्त की है। आज के इस अवसर पर परिवहन निगम जिन कार्यक्रमों के लेकर चल रहा है, इसको और प्रभावी ढंग से बढ़ाने की व्यवस्था हो। हमारा प्रयास हो कि परिवहन निगम की बसों से उत्तर प्रदेश के अंदर पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सेवा का उपयोग जो लोग भी करना चाहते हैं, हमें उन लोगों तक इस प्रकार की सुविधा पहुंचानी होगी। केवल निगम के स्तर पर ही नहीं, आवश्यक्ता पड़ती है तो प्राइवेट ऑपरेटर को भी एक रेगुलेशन के साथ जोड़कर हर गांव तक हमें यातायात की और बस सेवा की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। अगर हम हर गांव तक यह सुविधा उपलब्ध कराएंगे, तो लोगों के लिए आसान होगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का लोग उपयोग करेंगे। 50 वर्ष की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए शानदार कार्य कर रहा है परिवहन निगम इससे पहले सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को 50 वर्ष की यात्रा पूर्ण करने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि आजादी के कुछ ही महीने पहले 15 मई 1947 को उत्तर प्रदेश में एक राजकीय परिवहन सेवा प्रारंभ हुई थी। इसका उद्देश्य लोगों को सुगम और सुरक्षित यात्रा कराना था। यही राजकीय परिवहन सेवा एक जून 1972 को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के रूप में आगे बढ़ी और देश के सबसे बड़े आबादी के राज्य में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सबसे बड़ी इकाई के रूप में 50 वर्ष की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए शानदार कार्य कर रही है। इस अवसर पर परिवहन निगम को हृदय से बधाई। आज राजधानी सेवा की जिन 93 बसों और 7 अन्य साधारण बसों का यहां प्रारंभ किया जा रहा है, इसके लिए प्रदेशवासियों को भी हृदय से शुभकामनाएं हैं। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के 50 वर्षों की इस यात्रा के फलस्वरूप 100 राजधानी सेवा प्रारंभ करने के इस अवसर पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अध्यक्ष परिवहन निगम प्रशांत त्रिवेदी, प्रमुख सचिव परिवहन वेंकटेश्वर लू, एमडी मासूम सरवर एवं परिवहन विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। इन जिलों से राजधानी को चलेंगी बसें प्रयागराज 08 आजमगढ़ 02,चित्रकूटधाम 10,हरदोई 10,बरेली 08,कानपुर 10,वाराणसी 02,झांसी 02,मुरादाबाद 02,मेरठ 02,गोरखपुर 16,अयोध्या 09,अलीगढ़ 07,देवीपाटन 04,सहारनपुर 01,आगरा 07,बालासोर में रेल दुर्घटना पर सीएम ने व्यक्त की संवेदना सीएम योगी ने ओडिशा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना पर अपनी संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक ओर जब हम यहां 50 वर्ष के शानदार कार्यक्रम को आगे बढा रहे हैं तो वहीं देश के एक कोने पर एक दुखद घटना हमारे सामने है।

पीजीआई पुलिस ने दो शातिर चोर : चोरी के सामान सहित किए गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। पुलिस कमिश्नर एस0बी0 शिरडकर, डीसीपी ईस्ट ह्रदेश कुमार, व सै0 अली अब्बास अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी के निर्देशन में एवं अभिनव, सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट लखनऊ के कुशल पर्यवेक्षण में राणा राजेश कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना–पीजीआई के नेतृत्व में उपनिरीक्षक त्रिभुवन सिंह मय हमराह उपनिरीक्षक राजीव चौहान कांस्टेबल विजय नरेश महिला कांस्टेबल सपना के देखभाल क्षेत्र तलाश वांछित अभियुक्त में मामूर होकर क्षेत्र गस्त कर रहे थे कि जरिये मुखबिर सूचना मिली कि कुछ दिन पहले जो पीजीआई के अंदर पीजी हास्टल मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में ताला तोड़कर चोरी की घटना हुई थी उससे सम्बन्धित दो व्यक्ति एस. बी. आई. बैंक मोड पर रोड के किनारे चोरी का माल लिये हुये खडे है इस सूचना पर विश्वास करके हम पुलिस वाले बिना किसी देरी के एस.बी.आई. बैंक मोढ़ पर पहुचकर मुखबिर द्वारा बताये गये दोनो व्यक्तियों को एक बारगी दबिश देकर पकड़ लिया गया पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो एक ने अपना नाम रामविलास कश्यप पुत्र सीताराम (नि० प्रीतीनगर थाना मडियाव जनपद लखनऊ हालपता ओल्ड पीजी हास्टल डाक्टर मेस पीजीआई संस्थान थाना पीजीआई लखनऊ उम्र 45 वर्ष तथा दूसरे ने अपना नाम– लकी कश्यप पुत्र रामविलास उम्र 19 वर्ष नि0 प्रीती नगर थाना मडियाव जनपद लखनऊ हाल पता ओल्ड पीजी हास्टल डाक्टर मेस थाना पीजीआई लखनऊ बताया जिनको गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट
www.Desh ki upasana.com
का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।
–संपादक

छात्रों ने औषधि अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आजीविका के अवसरों की ली जानकारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सीएसआईआर–सीडीआरआई लखनऊ ने सीएसआईआर–जिज्ञासा परियोजना के तहत एक स्टूडेंट–साइंटिस्ट कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमे सुभाष चंद्र बोस इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, आईआईएम रोड, लखनऊ से 4 प्रोफेसर सहित 61 छात्रों के एक बैच को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसंधान प्रयोगशाला आधारित शिक्षण (रिसर्च–लेबोरेट्री बेस्ड लर्निंग) के माध्यम से कक्षा शिक्षण (क्लासरूम लर्निंग) को विस्तार देना था। जिज्ञासा एक अभिनव कार्यक्रम है जो कम उम्र की युवा प्रतिभाओं को वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में संलग्न करने का प्रयास करता है एवं वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक दृष्टिकोण को मजबूत तथा विस्तारित करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन का निर्माण करता है। कार्यक्रम की शुरुआत सीडीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव यादव ने सीएसआईआर–सीडीआरआई के बारे में एक परिचयात्मक व्याख्यान के साथ की। डॉ. संजीव ने सीडीआरआई द्वारा तैयार की गई विभिन्न दवाओं के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने औषधियों की खोज में संस्थान के योगदान के बारे में बताया, जिसमें एक प्रमुख औषधि ''सहेली'' का उल्लेख करते हुये बताया की यह दुनिया की पहली नॉन–स्टेरायडल गर्भनिरोधक है। इसके अलावा उन्होंने औषधि अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आजीविका हेतु विभिन्न अवसरों के बारे में बताया की जिन्हें छात्र अपनी क्षमता एवं रुचि के अनुसार चुन सकते हैं, अगर छात्र चाहे तो, वें स्नातक पूरा करने के बाद इंडस्ट्रीज के साथ काम कर सकते हैं या वें उच्च अध्ययन के लिए सीडीआरआई जैसे किसी भी अनुसंधान संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होने अनेक कैरियर क्षेत्र की जानकारी दी जिनमे से बायोमेडिकल रिसर्चर, मेडिसिन एडवाइजर, पेटेंट अटॉर्नी, फोरेंसिक साइंटिस्ट, रेगुलेटरी अटॉर्नी, क्वालिटी कंट्रोल केमिस्ट, क्वालिटी एश्योरेंस, मेडिकल साइंस लाइजन, फार्माकोविजिलेंस जैसे कुछ क्षत्र प्रमुख हैं। एक शिक्षाविद के तौर पर भी छात्र अपना उज्ज्वल कैरियर बना सकता है जहां वो अपने द्वारा अर्जित ज्ञान को अगली पीढ़ी को हस्तांतरित कर सकता हैं। उन्होंने कहा, चूंकि भारत अब दुनिया के लिए फार्मेसी के रूप में उभरा है, इसलिए युवा छात्रो के लिए फार्मेसी एक बेहतरीन आजीविका का अवसर बनता जा रहा हैं। औषधि अनुसंधान के बारे मे आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे एक अणु को दवा में परिवर्तित किया जाता है एवं कैसे विभिन्न वैज्ञानिक मिलकर एक दवा बनाने के लिए एक टीम के रूप में काम करते हैं। उन्होंने छात्रों को यह भी जानकारी दी कि वे सीएसआईआर–सीडीआरआई के साथ मिलकर कैसे अपनी यात्रा शुरू कर सकते हैं। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वाई के मंजू ने छात्रों के साथ बातचीत की और क्षय रोग पर एक रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनके साथ डॉ बी एन सिंह ने रोग नियंत्रण के बारे में कुछ महत्वपूर्ण पहलू भी जोड़े। शोधछात्रों ने प्रतिभागियों को विभिन्न उपकरणों के उपयोग, उचित सुरक्षा के साथ उनके संचालन एवं प्रयोग संबंधित बारीकियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लीशमैनिया एवं फाइलेरिया रोग पर अपने शोध के बारे में बताया। बाद में प्रतिभागियों ने इन्सेक्टेरियम फेसिलिटी जहां मलेरिया एवं फाइलेरिया रोग पर अनुसंधान के लिए आवश्यक मच्छरों का पालन किया जाता है, का भी दौरा किया जहां तकनीकी अधिकारी ऋषि नारायण ने अनुसंधान के लिए विभिन्न प्रजातियों के मच्छरों के पालन की जानकारी दी। जन्तु प्रयोगशाला सुविधा के दौरे के दौरान प्रतिभागियों को प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजदीप गुहा के साथ बातचीत करने का भी अवसर मिला। तकनीकी अधिकारी चंद्रशेखर यादव ने अनुसंधान के लिए आवश्यक विभिन्न पशु मॉडलों का प्रदर्शन किया।

10साल पहले वाली समस्या आज भी झेल रहे एमएसएमई कारोबारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। स्माल इंडस्ट्रीज मैन्यूफेक्चर एसोसिएशन (सीमा), एसोसिएट चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ यूपी व यूके की ओर से लघु इंडस्ट्री के सवालों पर एक दिवसीय परिचर्चा की गई। इसमें पूरे प्रदेश से करीब 150 से ज्यादा लघु उद्योग से जुड़े उद्यमियों ने हिस्सा लिया, जबकि करीब 200 से ज्यादा लोग कार्यक्रम में ऑन लाइन जुड़े। इस दौरान पूरे प्रदेश से आए उद्यमियों ने प्रदेश में एमएसएमई को बढ़ावा देने और उनके कारोबार में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की। इस दोरान पूरे प्रदेश से करीब 50 से ज्यादा महिला उद्यमियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के शुरूआत में एसोसिएट चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ यूपी के अध्यक्ष एलके झुनझुन वाला ने मौजूदा परिस्थितियों में एमएसएमई की जरूरतों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सरकार को एमएसएमई के लिए लैंड बैंक बनाने की जरूरत है। भूमि लीज पर न दिया जाए, बैंक लोन लेने में भी दिक्कत होती है। सड़क और बिजली की व्यवस्था सरकार को करनी होगी। उन्होंने कहा कि उद्योग के लिए पूजीं कहां से आएगी इस बारे में भी बात करना जरूरी है। सरकार ने बहुत सी योजनाएं बनाई है, उसका लाभ नीचे तक पहुंचना चाहिए। बिक्री के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिक्री को बढ़ाना आवश्यक है, एमएसएमई को सफल ऐसे ही बनाया जा सकता है 10 पहले वाली समस्या आज भी है, सीमा के अध्यक्ष शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि एमएसएमई सोसायटी के ट्रू एंबेसडर है। बताया कि उद्योग बंधु के सामने 10 साल पहले जो समस्याएं थी वह आज भी जारी है। आज भी हम इंडस्ट्रियल इलाके में सड़क, बिजली और पानी की समस्या तक सीमित है। यहां आज भी सड़कें उसी स्थिति है। हमे उद्योग बंधु पर जवाबदेही तय करनी पड़ेगी। अगर यह जवाबदेही ठीक से होती है तो 80 फीसदी समस्याओं का समाधान निकल जाएगा। उन्होंने कहा कि नया बिंदु तब उठाए जब तक पुरानों की समस्याओं का समाधान न हो जाए। अगर हम लोगों को उचित मंच मिलेगा तो हम उद्यमी उम्मीद से 5 गुना ज्यादा निवेश लाने की क्षमता रखता है। फायर के मानक सरल करने की मांग – शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि फायर के नियम ऐसे है कि छोटा उद्यमी जो 10 हजार स्कवायर फिट में अपना उद्योग शुरू करता है तो उसको पूरा करने में बहुत ज्यादा परेशानी होगी। उन्होंने बताया कि वह जिस सेक्टर में काम करते है उसमें उनका कारोबार 5 करोड़ रुपए के करीब है। लेकिन अगर फायर के नियम पूरी तरह से करने में जुट जाए तो 2 करोड़ रुपए का निवेश और चाहिए। ऐसे में एक छोटे कारोबारी के लिए यह करना मुश्किल है। फायर के नियम सरल करना होगा। यूपी सीडा से परेशान कारोबारियों ने रखी बात कानपुर से आए कारोबारी हरदीप राकड़ा ने बताया कि उनके यहां दो दशक पहले यूपी सीडा की तरफ से इंडस्ट्रियल इलाका डवलप किया गया है। जरूरत है।

लूप लाइन में खड़ी थी मालगाड़ी: क्या उसी ट्रैक पर चली गई कोरोमंडल एक्सप्रेस?

एजेन्सी:ओडिशा में शुक्रवार शाम हुए भीषण रेल हादसे में मृतकों का आंकड़ा 261 हो गया है। वहीं 850 के करीब लोग घायल हैं। इस घटना के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओडिशा जाएंगे। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी घटनास्थल पर पहुंचे थे और हालात का जायजा लिया था। हादसे की गंभीरता को देखते हुए युद्धस्तर पर बचाव और राहत कार्य चल रहे हैं और सेना को भी बचाव कार्यों में लगा दिया गया है। हादसे को लेकर पीएम मोदी ने बैठक भी बुलाई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने भी जताया दुख – कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा, भयानक ट्रेन हादसे की खबर दिल दहला देने वाली है। इतना भयानक हादसा पहले कभी नहीं हुआ। अभी तक किसी कन्नडिगा के मरने की सूचना नहीं है। रेल मंत्रालय को बताना चाहिए कि यह गलती किसने की। हमने अपने मंत्री संतोष लाड को दुर्घटनास्थल पर भेजा है। वे जानकारी प्राप्त करेंगे और आगे की जानकारी देंगे। दिवंगत आत्माओं को शांति मिले। बालासोर ट्रेन हादसा: प्रधानमंत्री मोदी घटनास्थल पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने एक ट्विटर पोस्ट में कहा था, ओडिशा में ट्रेन हादसे से व्यथित हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की और स्थिति का जायजा लिया। दुर्घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जा रही है।'' उत्तरी हावड़ा डीसीपी अनुपम सिंह ने बताया कि रेलवे और पुलिस दोनों ने इंतजाम किए हैं। अब तक लगभग 635–650 लोग यहां आए हैं। करीब 30–35 लोगों का प्राथमिक इलाज किया गया है। ट्रांसपोर्ट विभाग की ओर से चार बसें और कुछ छोटी गाड़ियों का इंतजाम भी किया गया है। ओडिशा के राज्यपाल गणेशी लाल का कहना है कि हम हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। हमने इस चुनौती को स्वीकार किया है। पीएम, सीएम हमारी पूरी टीम इस चुनौती का सामना करेगी। समाप्त हुआ रेस्क्यू अभियान बालासोर ट्रेन हादसे में बचाव कार्य समाप्त हो गया है। मौके पर बहाली का कार्य जारी है। ताजा जानकारी के अनुसार, हादसे में मरने वालों की संख्या 261 हो गई है।व्लादिमीर पुतिन ने ट्रेन दुर्घटना पर जताया शोक –रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ओडिशा में हुई घातक ट्रेन दुर्घटना पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक संदेश में अपनी संवेदना व्यक्त की। भारत में रूसी दूतावास उन्होंने अपने संदेश में लिखा: ''इस दुखद दुर्घटना में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति हमारी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।'' पुतिन के अलावा जापान, ब्रिटेन के राष्ट्राध्यक्षों ने भी इस दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
योगी ना बन सकें तो उपयोगी जरूर बने।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

सामाजिक ताने–बाने के साथ खेलती सोशल मीडिया–डॉ प्रियंका सौरभ

हाल के दिनों में सोशल मीडिया जनमत को प्रभावित करने और समाज में चल रहे प्रचलित विमर्श को प्रभावित करने का एक शक्तिशाली साधन बन गया है। कम कीमत, व्यापक पहुंच, आसान पहुंच और स्मार्टफोन की उपलब्धता के कारण सोशल मीडिया इतना शक्तिशाली बनकर उभरा है। सोशल मीडिया ने एक दोधारी तलवार की तरह काम किया है जहां इसने एक तरफ लोकतांत्रिक भागीदारी के रास्ते को चौड़ा किया है, लेकिन इसने समाज में नफरत और हिंसा के प्रसार के बारे में चिंताओं को जन्म दिया है। सोशल मीडिया आज हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है तथा अपनी भूमिका निभाते हुए यह समाज और व्यक्तियों पर अत्यधिक प्रभाव डालता है। 21वीं सदी की पीढ़ी के लिये यह जीवन जीने का एक नया तरीका बन गया है।

तो एक समय था जब लोग एक–दूसरे से व्यक्तिगत रूप से मिलते और बात करते थे और एक–दूसरे को पत्र लिखते थे। लोग अपना ज्यादातर समय परिवार के सदस्यों के साथ बिताते थे और लोग उनके रिश्ते को भी महत्व देते थे इसलिए पहले की पीढ़ियों के साथ यही स्थिति थी। लेकिन आज सब कुछ बदल गया है लोग अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं और अब आप अपने जीवन में मिलने वाले लोगों से दूर रहकर भी आसानी से जुड़े रह सकते हैं और आप उनके जीवन के बारे में भी अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और जान सकते हैं कि वे क्या हैं वे जीवन में क्या कर रहे हैं और इस तरह सोशल मीडिया ने समाज के पूरे ढांचे को बदल दिया है।

हम सब जानते हैं कि दिन–रात में चौबीस घंटे होते हैं, और यही घंटे हर इंसान के लिए होते हैं। इन्हीं घंटों का इस्तेमाल हर व्यक्ति करता है। फर्क बस इतना है कि इन घंटों का सही इस्तेमाल करने वालों के पास नतीजे कुछ और निकलते हैं और जो इन घंटों का इस्तेमाल ठीक से नहीं कर पाते उनके लिए भविष्य में परिणाम सुख देने वाला नहीं होता। अब आप सोच रहे होंगे कि इंटरनेट के विकास और समय के इस हिसाब का आपस में क्या संबंध है। तो इसे ऐसे समझिए कि जिस इंटरनेट के जरिए हम समय बचाने का दंभ भरते हैं, वही इंटरनेट आपके जीवन के समय का बहुत बड़ा हिस्सा ले रहा है। अब यहीं पर यह समझना जरूरी है कि जो समय आप इंटरनेट पर बिता रहे हैं, उसमें से कितना समय आप सही इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत के गांवों में इंटरनेट का इस्तेमाल सबसे ज्यादा बढ़ा है। ऐसा नहीं कि यह इस्तेमाल पूरी तरह से खराब और गलत है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि उसका किस हद तक इस्तेमाल आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

सोशल मीडिया ने उत्पीड़ित, हाशिए पर पड़े लोगों को आवाज देकर और व्यापक दर्शकों के साथ उनके दृष्टिकोण को साझा करके सार्वजनिक स्थान का लोकतंत्रीकरण किया है। सोशल मीडिया ने खोजी पत्रकारिता, पर्यावरण, प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिक केंद्रित पत्रकारिता जैसे नए क्षेत्रों में सूचनाओं के तेजी से प्रसार को सक्षम बनाया है। राजनेताओं और सरकारों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग उनकी पहल के लिए समर्थन जुटाने और बहस, विज्ञापन और सामाजिक अभियानों के माध्यम से उनके समर्थन को व्यापक बनाने के लिए किया गया है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं को एकत्र करता है और उनका उपयोग उस सामग्री को वैयक्तिकृत करने के लिए करता है जहां व्यक्तियों को एक ही प्रकार की सामग्री से अवगत कराया जाता है जो मौजूदा विश्वासों को मजबूत करने और राय के ध्रुवीकरण में योगदान देता है। नफरत और गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए सोशल मीडिया को कैसे विनियमित किया जा सकता हैः घृणास्पद भाषण और हिंसा को विनियमित करने के लिए सरकार, नागरिक समाज और सामाजिक के बीच प्रभावी प्रवर्तन तंत्र और सक्रिय सहयोग के साथ स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की तत्काल आवश्यकता है।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल में बोलने की आजादी और जनहित के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। हमारे समाज के सामाजिक ताने–बाने के पुनर्निर्माण के लिए समुदायों और व्यक्तियों के बीच सामाजिक संपर्क को पुनर्जीवित करने की तत्काल आवश्यकता है। जैसा कि आप जानते हैं कि हर चीज के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। यहां तक कि सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलू भी हैं। सबसे पहले इसमें आपका बहुत समय लगता हैय आप अंततः अपने परिवार के सदस्यों के बजाय सोशल मीडिया पर अधिक समय व्यतीत करते हैं और दूसरी बात यह है कि इसने पीछा करने, ट्रोलिंग जैसे बहुत सारे उपद्रवों को भी आमंत्रित किया है जो वास्तव में आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है और लोगों के जीवन को भी वास्तव में खराब कर सकता है इसलिए आपको सामाजिक उपयोग करना होगा मीडिया को बहुत सावधानी से उपयोग करें और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय आपको बहुत सुरक्षित रहने की भी आवश्यकता है।एक तरफ लोकतांत्रिक भागीदारी के रास्ते को चौड़ा किया है, लेकिन इसने समाज में नफरत और हिंसा के प्रसार के बारे में चिंताओं को जन्म दिया है। सोशल मीडिया आज हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है तथा अपनी भूमिका निभाते हुए यह समाज और व्यक्तियों पर अत्यधिक प्रभाव डालता है। 21वीं सदी की पीढ़ी के लिये यह जीवन जीने का एक नया तरीका बन गया है।

तो एक समय था जब लोग एक–दूसरे से व्यक्तिगत रूप से मिलते और बात करते थे और एक–दूसरे को पत्र लिखते थे। लोग अपना ज्यादातर समय परिवार के सदस्यों के साथ बिताते थे और लोग उनके रिश्ते को भी महत्व देते थे इसलिए पहले की पीढ़ियों के साथ यही स्थिति थी। लेकिन आज सब कुछ बदल गया है लोग अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं और अब आप अपने जीवन में मिलने वाले लोगों से दूर रहकर भी आसानी से जुड़े रह सकते हैं और आप उनके जीवन के बारे में भी अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और जान सकते हैं कि वे क्या हैं वे जीवन में क्या कर रहे हैं और इस तरह सोशल मीडिया ने समाज के पूरे ढांचे को बदल दिया है। हम सब जानते हैं कि दिन–रात में चौबीस घंटे होते हैं, और यही घंटे हर इंसान के लिए होते हैं। इन्हीं घंटों का इस्तेमाल हर व्यक्ति करता है। फर्क बस इतना है कि इन घंटों का सही इस्तेमाल करने वालों के पास नतीजे कुछ और निकलते हैं और जो इन घंटों का इस्तेमाल ठीक से नहीं कर पाते उनके लिए भविष्य में परिणाम सुख देने वाला नहीं होता। अब आप सोच रहे होंगे कि इंटरनेट के विकास और समय के इस हिसाब का आपस में क्या संबंध है। तो इसे ऐसे समझिए कि जिस इंटरनेट के जरिए हम समय बचाने का दंभ भरते हैं, वही इंटरनेट आपके जीवन के समय का बहुत बड़ा हिस्सा ले रहा है। अब यहीं पर यह समझना जरूरी है कि जो समय आप इंटरनेट पर बिता रहे हैं, उसमें से कितना समय आप सही इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत के गांवों में इंटरनेट का इस्तेमाल सबसे ज्यादा बढ़ा है। ऐसा नहीं कि यह इस्तेमाल पूरी तरह से खराब और गलत है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि उसका किस हद तक इस्तेमाल आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। सोशल मीडिया ने उत्पीड़ित, हाशिए पर पड़े लोगों को आवाज देकर और व्यापक दर्शकों के साथ उनके दृष्टिकोण को साझा करके सार्वजनिक स्थान का लोकतंत्रीकरण किया है। सोशल मीडिया ने खोजी पत्रकारिता, पर्यावरण, प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिक केंद्रित पत्रकारिता जैसे नए क्षेत्रों में सूचनाओं के तेजी से प्रसार को सक्षम बनाया है। –प्रियंका सौरभ लेखिका

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

'सीएसआईआर जिज्ञासा के अंतर्गत हुआ स्टूडेंट साइंटिस्ट कनेक्ट प्रोग्राम'

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सीएसआईआर–सीडीआरआई लखनऊ ने सीएसआईआर–जिज्ञासा परियोजना के तहत एक स्टूडेंट–साइंटिस्ट कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमे सुभाष चंद्र बोस इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, आईआईएम रोड, लखनऊ से 4 प्रोफेसर सहित 61 छात्रों के एक बैच को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसंधान प्रयोगशाला आधारित शिक्षण (रिसर्च–लेबोरेट्री बेस्ड लर्निंग) के माध्यम से कक्षा शिक्षण (क्लासरूम लर्निंग) को विस्तार देना था। जिज्ञासा एक अभिनव कार्यक्रम है जो कम उम्र की युवा प्रतिभाओं को वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में संलग्न करने का प्रयास करता है एवं वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक दृष्टिकोण को मजबूत तथा विस्तारित करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन का निर्माण करता है। कार्यक्रम की शुरुआत सीडीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव यादव ने सीएसआईआर–सीडीआरआई के बारे में एक परिचयात्मक व्याख्यान के साथ की। डॉ. संजीव ने सीडीआरआई द्वारा तैयार की गई विभिन्न दवाओं के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने औषधियों की खोज में संस्थान के योगदान के बारे में बताया, जिसमें एक प्रमुख औषधि ''सहेली'' का उल्लेख करते हुये बताया की यह दुनिया की पहली नॉन–स्टेरायडल गर्भनिरोधक है। इसके अलावा उन्होंने औषधि अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आजीविका हेतु विभिन्न अवसरों के बारे में बताया की जिन्हें छात्र अपनी क्षमता एवं रुचि के अनुसार चुन सकते हैं, अगर छात्र चाहे तो, वें स्नातक पूरा करने के बाद इंडस्ट्रीज के साथ काम कर सकते हैं या वें उच्च अध्ययन के लिए सीडीआरआई जैसे किसी भी अनुसंधान संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होने अनेक कैरियर क्षेत्र की जानकारी दी जिनमे से बायोमेडिकल रिसर्चर, मेडिसिन एडवाइजर, पेटेंट अटॉर्नी, फोरेंसिक साइंटिस्ट, रेगुलेटरी अटॉर्नी, क्वालिटी कंट्रोल केमिस्ट, क्वालिटी एश्योरेंस, मेडिकल साइंस लाइजन, फार्माकोविजिलेंस जैसे कुछ क्षत्र प्रमुख हैं। एक शिक्षाविद के तौर पर भी छात्र अपना उज्ज्वल कैरियर बना सकता है जहां वो अपने द्वारा अर्जित ज्ञान को अगली पीढ़ी को हस्तांतरित कर सकता हैं। उन्होंने कहा, चूंकि भारत अब दुनिया के लिए फार्मेसी के रूप में उभरा है, इसलिए युवा छात्रो के लिए फार्मेसी एक बेहतरीन आजीविका का अवसर बनता जा रहा हैं।

औषधि अनुसंधान के बारे मे आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे एक अणु को दवा में परिवर्तित किया जाता है एवं कैसे विभिन्न वैज्ञानिक मिलकर एक दवा बनाने के लिए एक टीम के रूप में काम करते हैं। उन्होंने छात्रों को यह भी जानकारी दी कि वे सीएसआईआर–सीडीआरआई के साथ मिलकर कैसे अपनी यात्रा शुरू कर सकते हैं। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वाई के मंजू ने छात्रों के साथ बातचीत की और क्षय रोग पर एक रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनके साथ डॉ बी एन सिंह ने रोग नियंत्रण के बारे में कुछ महत्वपूर्ण पहलू भी जोड़े। शोधछात्रों ने प्रतिभागियों को विभिन्न उपकरणों के उपयोग, उचित सुरक्षा के साथ उनके संचालन एवं प्रयोग संबंधित बारीकियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लीशमैनिया एवं फाइलेरिया रोग पर अपने शोध के बारे में बताया। बाद में प्रतिभागियों ने इन्सेक्टेरियम फेसिलिटी जहां मलेरिया एवं फाइलेरिया रोग पर अनुसंधान के लिए आवश्यक मच्छरों का पालन किया जाता है, का भी दौरा किया जहां तकनीकी अधिकारी ऋषि नारायण ने अनुसंधान के लिए विभिन्न प्रजातियों के मच्छरों के पालन की जानकारी दी। जन्तु प्रयोगशाला सुविधा के दौरे के दौरान प्रतिभागियों को प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजदीप गुहा के साथ बातचीत करने का भी अवसर मिला। तकनीकी अधिकारी चंद्रशेखर यादव ने अनुसंधान के लिए आवश्यक विभिन्न पशु मॉडलों का प्रदर्शन किया। शोधकर्ताओं ने बताया कि सीडीआरआई सकिल डेवेलपमेंट के लिए कुछ शॉर्ट टर्म एनिमल हैंडलिंग के कोर्स भी आयोजित करता है जिसे करने पर वे अपनी योग्यता बढ़ा सकते हैं, जिससे उन्हें नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर्स एवं छात्रों ने सीडीआरआई के इस कार्यक्रम के समग्र अनुभव पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

आम जनमानस की छोटी–छोटी समस्याओं का कराया जाये त्वरित निस्तारण–नितिन

हरदोई ब्यूरो : पात्रों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ और गरीबों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण जनप्रतिनिधियों के साथा जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की जिम्मेदारीः– मंत्री योजनाओं का लाभ उपलब्ध हेतु प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही पूर्ण करायी जायेगीः–डी0एम0 पट्टे की भूमि, तालाब, खेल मैदान व अन्य सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा न करें:–एमपी सिंह आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण के लिए 2 जून से 4 जून तक तहसील सदर के सभागार में आयोजित त्रिदिवसीय शिविर का शुभारंभ प्रदेश सरकार के मा0 आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलि कर कियाः उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि कहा कि इस त्रिदिवसीय शिविर में तहसील, ब्लॉक से संबंधित समस्याओं व शिकायतों के अलावा वरासत संबंधी समस्याओं, विधवा, वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन संबंधी समस्याएं, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना से जुड़ी समस्याएं, उत्तराधिकार दाखिल खारिज, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं संक्रमणीय भूमिधरी घोषित किए जाने वाली समस्याओ तथा शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा और क्षेत्रवासी इस शिविर का लाभ उठाने के लिए अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन देकर समस्याओं का निस्तारण तत्काल कराये। मा0 मंत्री ने कहा कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों तक प्रदेश सरकार की समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लाभ पहुंचाने के साथ आम जनपदवासियों की सभी प्रकार की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराना जनप्रतिनिधियों के साथा जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की जिम्मेदारी होती। उन्होने खण्ड विकास अधिकारियों से कहा कि सरकार की तमाम योजनाओं का लाभ गरीबों तक पहुंचाने के साथक उनकी छोटी–छोटी समस्याओं पर विशेष ध्यान देकर निस्तारित करायें और इस महत्व पूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने वाले लोगों पर कार्यवाही भी की जायेगी। मंत्री जी ने बीडीओ को निर्देश दिये कि जल संचयन के लिए गावों के जिन बड़े तालाबों को अमृत सरोवर के रूप विकसित करने के कार्य में तेजी लाये और उन्हें समय पर पूरा करायें। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मा0 मंत्री जी का अभिन्नदन करते हुए अवगत कराया कि जनपद के ब्लाकों से प्राप्त होने वाली आम जनमानस की भूमि, तालाब, मकान आदि पर अवैध कब्जा, खसरा, खतौनी, वरासत एवं जन्म, मृत्यु तथा आय–जाति प्रमाण पत्र आदि का समयवद्व से निस्तारण कराया जा रहा है और आपके निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में आवेदन पत्रों के सभी पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने हेतु कार्यवाही पूर्ण करायी जायेगी और पीड़ित व्यक्तियों को न्याय दिलाने हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से जांच कर पीड़ित को न्याय दिलाया जायेगा। इस पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कि गरीब के पट्टे एवं तालाब, खेल मैदान व अन्य सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा न करें, क्योकि और जांच में भूमि अवैध कब्जा मुक्त कराने के साथ कब्जा करने वाले विरूद्व कड़ी कार्यवाही की जायेगी। कार्यक्रम में मा0 मंत्री एवं जिलाधिकारी ने पात्र लोगों को मुख्यमंत्री आवास की चाबी तथा प्रधानमंत्री आवास तथा कृषि के लिए आवंटित भूमि के प्रमाण पत्र प्रदान कियें इससे पहले मा0 मंत्री जी ने तहसील बारामदे में लगायी गयी राजस्व, स्वास्थ्य, बैंक, कुम्हारी कलां के स्टालों का अवलोकन किया तथा अवलोकन के समय कुछ कुम्हारों ब्लाकों से मिट्टी उठाने कि अनुमति न देने की जानकारी पर मा0 मंत्री ने उप जिलाधिकारी सदर स्वाती शुक्ला से कहा कि बीडीओ को निर्देशित करें कि कुम्हारों को नियमित मिट्टी उपलब्धा करायें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख बावन धमेन्द्र सिंह, सुरसा के धन्नजय मिश्रा तथ अहिरोरी के धर्मवीर सिंह पन्ने, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित नायब तहसील हरियावां राकेश कुमार सहित अन्य नायब तहसीलदार कानूनगो, लेखपाल, पत्रकार बन्धु तथा मुख्यमंत्री आवास, पट्टे एवं कृषि भूमि के लाभार्थी आदि उपस्थित रहें।

कमला नेहरू संस्थान के इंजीनियरिंग संकाय में तकनीकी छात्रों के लिए ' टैबलेट वितरण ' कार्यक्रम का आयोजन

'सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : कमला नेहरू संस्थान के फरीदीपुर कैम्पस स्थित इंजीनियरिंग संकाय में बी. टेक. तथा पालीटेक्निक के अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ' टैबलेट वितरण' का आयोजन किया गया द्य इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एन्ड सोशल साइंसेज के उप प्राचार्य प्रो.(डा.) सुशील कुमार सिंह तथा पूर्व प्राचार्य प्रो.(डा.) राधेश्याम सिंह जी रहे द्य उप प्राचार्य जी ने अपने सम्बोधन में सरकार की इस योजना को छात्रोपयोगी बताया एवं अन्तिम वर्ष के सभी छात्र छात्राओं को उनके करियर में नई ऊंचाइयां प्राप्त करने हेतु प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दीद्य प्रो. राधेश्याम सिंह जी ने तकनीकी को करियर के विकास हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए छात्रों को टैबलेट के रचनात्मक प्रयोग हेतु प्रेरित किया और नौकरी के पीछे न भागकर स्व उद्यमी बनने पर बल दियाद्य इंजीनियरिंग संस्थान के निदेशक डा.सरब प्रीत सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को टैबलेट प्राप्त करने पर शुभकामनाएं। उपस्थित एकेडमिक प्रभारी रत्नेश सिंह ने छात्रों को तकनीकी रुप से सक्षम बनने हेतु टैबलेट का सदुपयोग करने को कहा । कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मानित मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन द्वारा किया गया द्य कार्यक्रम का संचालन राघवेंद्र त्रिपाठी द्वारा सफलतापूर्वक किया गया तथा कार्यक्रम के अन्त में संयोजक राघवेंद्र त्रिपाठी ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया द्य इस कार्यक्रम में बी. टेक. के 161 तथा पालीटेक्निक के 56 छात्र छात्राओं को टैबलेट प्रदान किए गए द्य कार्यक्रम में इंजीनियरिंग संकाय के सभी विभागाध्यक्ष ए के सिंह, सैनुद्दीन,कौस्तुभ कुन्दन श्रीवास्तव, संजय कुमार सोनकर तथा शिक्षकगण ग्रीष्मा श्रीवास्तव , शुभ्रा उपाध्याय, निखिल श्रीवास्तव, अर्पित सामंत, कसीम खान तथा सहयोगी स्टाफ में राहुल सिंह, अमित सिंह, धर्मेन्द्र चौधरी, विकास प्रजापति, राम मिलन तथा महेंद्र प्रताप सिंह एवं बी. टेक. एवं पालीटेक्निक अंतिम वर्ष के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे द्य इस अवसर पर संस्थान के प्रबंधक एवं शहर विधायक माननीय विनोद सिंह जी ने अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को उनके सुनहरे करियर के लिए अपना आशीर्वाद देते हुए सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना ' टैबलेट वितरण' कार्यक्रम की सराहना की।

ग्राम पंचायत हलियापुर को मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत जिले में मिला प्रथम स्थान

सुल्तानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : विकास के पैमाने पर खरा उतरने वाली बल्दीराय ब्लाक की ग्राम पंचायत हलियापुर को मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत जिले में प्रथम स्थान मिला है। चयनित पंचायत हलियापुर को 11 लाख रुपये नकद राशि बतौर पुरस्कार भी मिली है।प्रदेश सरकार द्वारा खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) हो चुकी ग्राम पंचायतों के लिए मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना शुरू की गई थी। आवेदन के दौरान ओडीएफ के साथ–साथ साफ–सफाई के बेहतर इंतजाम,गांव प्रत्येक बच्चे व गर्भवती का शत–प्रतिशत टीकाकरण, सरकारी विद्यालयों में नियमित एमडीएम (मध्याह्न भोजन), आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चे नियमित पोषाहार पाते हो समेत 32 बिदुओं पर रिपोर्ट भरना था।इसमें हलियापुर ग्राम पंचायत खरी उतरी है।हलियापुर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखंड प्रताप सिंह उर्फ गब्बर ने बताया कि प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कार की धनराशि खाते में भेजी गई है। खंड विकास अधिकारी सत्य नारायण सिंह ने बताया कि प्रधानों के बीच विकास कार्य को लेकर प्रतिस्पर्धा हो और वह बेहतर काम करें। इसके चलते यह योजना चलाई जा रही है। प्रथम स्थान पाने वाली ग्राम पंचायत हलियापुर को मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार प्रोत्साहन योजना के तहत 11 लाख रुपये पुरस्कार मिला है।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेयनारसन,हरिद्वार। नारसन ब्लॉक की योगेश्वर पब्लिक स्कूल द्वारा 14 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली होनहार खिलाड़ियों की क्षमताओं का विकास करना इस प्रशिक्षण शिविर में योग , वॉलीबॉल, फुटबॉल, डांस तथा शारीरिक क्षमता के विकास हेतु संसाधनों पर ध्यान दिया गया। जिसका उद्देश्य नौनिहाल छात्र–छात्राओं की क्षमताओं का विकास करना।इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन प्रबंधक जितेन पुंडीर द्वारा किया गया। आपने इस अवसर पर छात्र–छात्राओं को रचनात्मक क्रियाओं के महत्व की जानकारी दी। प्रधानाचार्य मनीषा पुंडीर ने प्रबंधक को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षक विपिन राजपूत सहयोगी मोहित तथा योग प्रशिक्षक निक्की का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेन्ट एन्थोनी पब्लिक स्कूल में 'सम्मान समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सेन्ट एन्थोनी पब्लिक स्कूल की पारा ब्रांच में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य आकर्षण का केन्द्र विद्यालय के मेधावी रहे। विद्यालय के संस्थापकध्संस्थापिका मिस्टर राकेश स्वरूप सक्सेना एवं लक्ष्मी सक्सेना विद्यालय के प्रबंधक अजितेश सक्सेना तथा प्रधानाचार्या विधि सक्सेना एवं उप प्रधानाचार्या जया द्विवेदी ने मेधावी छात्र– छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अभिभावकों को आमंत्रित कर उन्हें भी सम्मान समारोह का भागीदार बनाया गया। अपने बच्चों की सर्वोतम उपलब्धि पर माता–पिता भी खुशी से झूम उठे।विद्यालय में अपना परचम लहराने वाले अंकित तिवारी, कोमल तिवारी, मेहुल शर्मा, कार्तिक शुक्ला, प्रियांशी गांगुली,आकृति , रीतिका सागर अमनदीप आदि छात्र– छात्राओं ने विद्यालय का मान बढ़ाया।

केंद्रीय उपभोक्ता भंडार में निदेशकों के निर्विरोध नामांकन के बाद विनोद राठौर निर्विरोध बने अध्यक्ष

हरदोई ब्यूरोःसहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण संस्था केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डार लिमिटेड के 13 सदस्यीय बोर्ड का आज निर्विरोध निर्वाचन हुआ। भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद राठौर बोर्ड के 46वें अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। साथ ही कंचन पाठक निर्विरोध उपाध्यक्ष चुनीं गईं। इससे पहले प्राइमरी चुनाव में वह साधन सहकारी समिति लिमिटेड वाजिदपुर–गोवर्धनपुर के निर्विरोध निदेशक चुने गए थे। इसके बाद केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डार लिमिटेड के अध्यक्ष पद के लिए भाजपा ने विनोद को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा (अवध क्षेत्र) के महामंत्री पीके वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा 'मधुर', भाजपा जिला महामंत्री सहकारिता चुनाव जिला संयोजक अनुराग मिश्रा, जिला महामंत्री ओम वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष राम किशोर गुप्ता 'गुड्डू' व जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सहित तमाम भाजपा नेता मौजूद रहे। केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डार लिमिटेड के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद राठौर ने कहा कि वह पार्टी की मंशानुरूप किसान हित में कार्य करते हुए संस्था व सहकारिता आन्दोलन को रचनात्मक दिशा देने का काम करेंगे। सभापति व उप सभापति पद पर निर्वाचन के साथ प्रादेशिक संस्थाओं में प्रतिनिधि भेजने की

प्रक्रिया भी अमल में लाई गई। केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डार के बोर्ड के निदेशक के तौर पर किरण कुशवाहा, कंचन पाठक, विनीता सिंह, आशा सिंह, नीतू देवी, धीरज वर्मा, विवेक सविता, अजय अवस्थी, अभिषेक अवस्थी, सेवक राम वर्मा, नागेन्द्र सिंह और रामप्रकाश को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

''एक कदम सुपोषण की ओर''अभियान को लेकर सीएमओ की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : सात जून से छः जुलाई तक चलेगा यह अभियान अयोध्या ।07 जून 2023 से 06 जुलाई 2023 तक चलेगी ।अभियान को सफल बनाने के लिए सीएमओ डॉ अजय राजा की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग अन्य सहयोगी संस्थाओं की संवेदीकरण कार्यशाला सम्पन्न हुई ।कार्यशाला में इस अभियान के संबंध में सीएमओ डॉ अजय राजा ने कहा किः महिलाओं एवम बच्चों के स्वास्थ्य एवम पोषण की स्थिति अत्यन्त ही चिंताजनक है जबकि सरकार द्वारा वर्ष 2022 में गर्भवती और धात्री महिलाओ के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है ।उन्होंने बताया कि योगी सरकार द्वारा जनपदों में किए गए अनुश्रवण में पाया गया कि अभी भी गर्भवती व धात्री महिलाओ और सैम से ग्रसित बच्चों को निधारित मात्रा में दवाईयां देने के साथ साथ इन गोलियों के सेवन के तरीके एवम पोषण परामर्श संबंधी सेवाओं लाने की अधिक आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां जैसे सैम से ग्रसित बच्चों का चिकित्सीय प्रबंधन,गर्भावस्था के दौरान वजन में वृद्धि की जांच तथा एमसीपी कार्ड में सही स्थान अंकित करना आदि जैसे कार्यों को भी गुणवत्तापरक बनाने की आवश्यकता है ।इस अभियान में प्रत्येक गर्भवती व धात्री महिला तक फॉलिक एसिड, आयरन फॉलिक एसिड, कैल्शियम और एलबेंडाजोल की उपलब्धता व सेवन एवम प्रत्येक सैम से ग्रसित बच्चों तक अमॉक्सीसिलीन, फॉलिक एसिड, आईएफए सीरप,एलबेंडाजोल, विटामिन ए एवम मल्टीविटामिन की उपलब्धता व सेवन शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से सप्लाई चेन को सुदृढ़ करते हुए प्रत्येक लाभार्थी तक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने के साथ साथ इनके सेवन हेतु जागरूकता भी प्रदान की जाएगी एवम लक्ष्य समूहों के अनुसार पोषण संबंधी जानकारी व परामर्श दी जायेगी।

आगे मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि समस्त स्वास्थ्य इकाईयों की ओपीडीध्आईपीडी,मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला,प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान एवम छाया वी एच एस एन डीध यू एच एस एन डी सत्र के माध्यम से जन जागरूकता एवम आवश्यक दवाओं का वितरण किया जायेगा ।बैठक को मौजूद अधिकारियों से कहा कि सभी उपकेन्द्र और ब्लॉकवार गर्भवती, धात्री महिलाओ और सैम बच्चों को ड्यू लिस्ट तैयार करने के साथ साथ सभी चिकित्सक, एएनएम, स्टॉफ नर्स और आशा का आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण और संवेदीकरण कर लिया जाएगा। अभियान के दौरान एवम पश्चात एएनएम आशा और आंगनबाड़ी द्वारा लाभार्थियों को मोबिलाइज किया जायेगा साथ ही अभियान पश्चात लाभार्थियों का फॉलोअप भी किया जाएगा ।जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस राजेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा सत्रों पर वजन मशीन,इन्फेंटोमीटर, स्टेडियोमीटर की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। एनीमिया से ग्रसित कमजोर गर्भवती महिलाओं एवं सैम से ग्रसित बच्चों के यंहा आशा के साथ संयुक्त गृह भ्रमण कर पोषण परामर्श देने के साथ साथ आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा पोषक आहार की भी वितरण किया जायेगा ।इस मौके पर एसीएमओ, डिप्टी सीएमओ, चिकित्सा अधीक्षक, डीपीएम, डीसीपीएम सहित सीडीपीओ, एच ई ओ,बीपीएम, बीसीपीएम उपस्थित रहे।

बुजुर्ग हमारी धरोहर है : उनका सदैव सम्मान होना चाहिए –राकेश श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्व प्रकाश श्रीवास्तव : अभाकाम ने मनाया पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश नारायण सारंग का जन्मदिन मातृ पितृ भक्ति दिवस के रूप में मनाया जौनपुर : घर मे किसी बड़े बुजुर्ग का होना , भगवान के होने जैसा है, उनका आशीर्वाद हमे सतत आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। बड़े बुजुर्ग हमारी धरोहर है उनका सदैव सम्मान होना चाहिए। उपरोक्त बाते अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश महासचिव/जिलाध्यक्ष जौनपुर राकेश कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित स्वजातीय बंधुओ को संबोधित करते हुए कही। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. कैलाश नारायण सारंग के जन्म जयंती पर मातृ पितृ भक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सरोज श्रीवास्तव ने कहा कि सारंग साहब पूरा जीवन कायस्थों के लिए जिये, उनका सपना था कि काश्मीर से कन्या कुमारी तक कायस्थ एक जुट हो। उनका व्यक्तित्व अनुकरणीय है। संजय श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव बच्चा, शशि श्रीवास्तव गुड्डू, एस सी लाल, दया शंकर निगम आदि वक्ताओं ने सारंग साहब के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समाज मे उत्कृष्ठ कार्य करने वाले कायस्थ समाज के संतोष कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, शरद श्रीवास्तव एडवोकेट, योगेश चंद्र श्रीवास्तव, आनंद मोहन श्रीवास्तव, गिरीश चंद्र श्रीवास्तव, शिव पूजन अस्थाना को अंग

वस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । कार्य क्रम के अंत मे अयोध्या की दिवंगत छात्रा आन्या श्रीवास्तव के लिए दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना की गई। साथ ही सरकार से मांग की गई कि आन्या को न्याय मिले और दोषियों को सजा दी जाय ।इस अवसर पर श्याम रतन श्रीवास्तव, जय आनंद, शशि श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव चुम्मन, राकेश श्रीवास्तव चुन्नू, पंकज श्रीवास्तव हैपी, चंद्र मोह श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक, राजेश श्रीवास्तव गुलगुल, दिनेश श्रीवास्तव, मिलन श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव,सचिन श्रीवास्तव आदि स्वजातीय बंधु उपस्तिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन महसचिव संजय अस्थाना ने किया ।

साईकिल का हमारे जीवन में अहम स्थान है। साईकिल हमारे पर्यावरण के लिये फायदेमंद है

जौनपुर सू0वि0 – 03 जून 2023 को ''विश्व साईकिल दिवस'' के अवसर पर एक विशाल जनजागरुकता साईकिल रैली को नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 डा0 राजीव कुमार द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया ।उक्त साईकिल रैली टी0बी0 चिकित्सालय से अम्बेडकर तिराहा होते हुये पुनः टी0बी0 चिकित्सालय परिसर पर समाप्त हुई उक्त रैली में कुवंर हरिवंश सिंह पैरामेडिकल कालेज की छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस वर्ष विश्व साईकिल दिवस की थीम "ब्लबसम वित भ्मंसजी" पर नेडल अधिकारी एन0सी0डी0 डा0 राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 03 जून को विश्वभर में विश्व साईकिल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राज्य महासभा ने साल 2018 में 03 जून को वर्ल्ड साईकिल डे मानाने की घोषणा की थी। इसको मानाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को साईकिल के महत्व के बारे में समझाना है। साईकिल हमारे पर्यावरण के लिये फायदेमंद है तथा साईकिल चलाना स्वास्थ्य के लिये

लाभकारी है ऐसे में साईकिल का हमारे जीवन में अहम स्थान है। इससें डीजल, पेट्रोल का कम दोहन के साथ ही शहर का प्रदूषण स्तर भी कम होता है। साईकिल चलाने से वजन कम करने से लेकर मांशपेशियों को मजबूती तथा अच्छा व्यायाम एवं शरीर में रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है। साईकिल चलाने वाले लोग मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की बीमारियों से दूर रहते है। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 डी0के0 सिंह द्वारा बताया गया है कि साईकिल चलाना एक तरह का योग है जिससे व्यक्ति को मानसिक बीमारियों से दूर रहने में मदद मिलती है इस प्रकार साईकिल चलाना मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। साईकिल चलाना मध्यम वर्गीय परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के सुधार में बहुत बड़ा योगदान रखता हैं। उनके द्वारा सभी जनपद वासियों को प्रति दिन कम से कम 01 घण्टें साईकिल चलाने की अपील की गयी। उक्त रैली में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0एस0सी0 वर्मा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 डी0के0 सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, श्री सत्यव्रत त्रिपाठी, एन0सी0डी0 सेल से एफ0एल0सी0 श्री जयप्रकाश गुप्ता, कुलदीप श्रीवास्तव, श्री विवेक मौर्या, तथा कार्यालय के अन्य कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अमृत योजना के अन्तर्गत तैयार की जा रही जौनपुर महायोजना 2031

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भारत सरकार की अमृत योजना के अन्तर्गत तैयार की जा रही जौनपुर महायोजना 2031 (प्रारूप) पर पूर्व में जन सामान्य से प्राप्त

आपत्ति / सुझाव के निस्तारण के सम्बन्ध में विचार विमर्श हुआ। जौनपुर शहर की अधिकतम आबादी को सुविधाएँ प्रदान करने के साथ ही नगर के स्वरूप को और अच्छा बनाने के ऊपर बल दिया गया। बैठक में सरकार की भावी योजनाओं को समायोजित करने पर भी निर्णय लिया गया ताकि जौनपुर नगर का विकास एक सुनियोजित तरीके से हो सके। बैठक में डा०आर० के उद्घ्यन (सहयुक्त नियोजक, सम्भागीय नियोजन खण्ड वाराणसी), देवेन्द्र सिंह, नियत अधिकारी ध नगर मजिस्ट्रेट, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, मिथिलेश कुमार अवर अभियन्ता (मास्टर प्लान जौनपुर) उपस्थित रहे।

विश्व साइकिल दिवस पर सी एम ओ द्वारा साइकिल चला कर कार्यक्रम का किया शुभारंभ

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में साइकिल चलाकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.डी.के त्रिपाठी ने किया

कार्यक्रम का शुभारंभ। काशीराम शहरी स्वास्थ्य केन्द्र सुलतानपुर से शुरू कर अमहट तक चलाई साइकिल ।इस दौरान जिला क्षयरोग अधिकारी,अर्बन नोडल अधिकारी,उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी,जिला कार्यक्रम प्रबंधक,जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक,अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर,नगरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं टीबी यूनिट के स्टाफ की भी रही मौजूदगी।

संस्थानों में कामर्शियल वाहन रूप में उपयोग करना प्रतिबन्धित

जौनपुर सू0 वि0 – जौनपुर ने अवगत कराया है कि परिवहन आयुक्त महोदय उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा निर्देशित किया गया है कि बैंकों, अधसिरकारी संस्थानों, सड़क निर्माण एजेंसियों,भारतीय खाद्य निगम, रेल, विश्वविद्यालय इत्यादि संस्थानों में किया जाता है। ऐसे वाहन जो निजी उपयोग में पंजीकृत है और उसका कामर्शियल रूप में उपयोग करना प्रतिबन्धित है एवं ऐसे वाहनों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की संगत धााराओं के अन्तर्गत कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। अतएव जनपद के समस्त विभागध्संस्थानां को अवगत कराना है कि यदि आपके विभागध्संस्थान में ऐसे समस्त निजी वाहन जिनका प्रयोग व्यावसायिक वाहन के रूप में हो रहा है का पंजीयन व्यावसायिक वाहन के रूप में कराने हेतु वाहन स्वामीध्सम्बन्धित को तत्काल निर्देशित करने का कष्ट करें। यदि वाहन स्वामी द्वारा वाहन का पंजीयन व्यावसायिक वाहन के रुप में नहीं कराया जाता है तो ऐसे वाहनों का प्रयोग विभागीय कार्य में न लिया जाय। जिला सूचना कार्यालय द्वारा जारी

किशोरी ने नदी में लगाई छलांग:डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने निकाला शव

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी सुजानगंज जौनपुरः जौनपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक सैय्यद हुसैन मुन्तजर थाना सुजानगंज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 ईश्वरचन्द त्रिपाठी मय हमराह कर्मचारीगण द्वारा मु0 अ0सं0 112ध2023 धारा 304 भादवि थाना सुजानगंज जनपद में वाँछित अभियुक्त पवन पटेल पुत्र स्व. नन्हकू राम पटेल ग्राम सरायभोगी थाना सुजानगंज जनपद को नियमानुसार गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 ईश्वरचन्द त्रिपाठी, हे0का0 रमाकान्त यादव शामिल रहे।

नगरीय निकायों के निर्वाचित सदस्यों में से जिला योजना समिति के निर्वाचित होने वाले सदस्यों के निर्वाचन हेतु मतदाता सूची तैयार

जौनपुर सू0वि0–जिला मजिस्ट्रेटध्निर्वाचन अधिकारी, जि0यो0स0 सामान्य निर्वाचन–2023 श्री अनुज कुमार झा ने सर्व साधारण को अवगत कराया है राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र दिनांक 31 मई 2023 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उत्तर प्रदेश जिला योजना समिति नियमावली, 2008 के नियम 8 के अन्तर्गत नगरीय निकायों के निर्वाचित सदस्यों में से जिला योजना समिति के निर्वाचित होने वाले सदस्यों के सामान्य निर्वाचन हेतु मतदाता सूची तैयार कर ली गयी है तथा दिनांक 03 जून 2023 को जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, समस्त उप जिलाधिकारी कार्यालय, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषदध्नगर पंचायत कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) जौनपुर पर प्रकाशित कर दी गयी है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट पाए जाने पर न्यायालय से हुई कार्यवाही : 11 कारोबारियों पर 2.67 लाख का जुर्माना

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता अयोध्या) अयोध्या ।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा बीते दिनों लिए गए अलग–अलग खाद्य पदार्थों के नमूनों में मिलावट पाए जाने पर न्यायालय ने 11 कारोबारियों पर 2.67 लाख का जुर्माना ठोंका है ।जुर्माने की धनराशि अविलंब जमा कराने के लिए निर्देशित किया है ।इस संबंध में सहायक आयुक्त खाद्य मानिकचंद्र सिंह ने बताया कि कारोबारी जितेश राजपाल व रेखा राजपाल के प्रतिष्ठान से लिए गए मिल्क रस्क के नमूने में मिलावट मिलने पर सर्वाधिक एक लाख का जुर्माना लगाया गया है ।वहीं, भुलईपुर निधियांवा राकेश कुमार पर 25 हजार, श्रृंगारहाट निवासी अजय कुमार पर बीस हजार, कनकपुर झगरौली निवासी रामकल्प पर 16 हजार, रुकुनपुर निवासी विपिन कुमार पाल पर 18 हजार, गुरौली निवासी सूर्यलाल पर 16 हजार, खडपिपरा निवासी अजय कुमार पर 15 हजार, करम अली का पुरवा निवासी अंश यादव पर 13 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। बताया कि जुर्माने की धनराशि जमा करने के लिए नोटिस जारी की जा रही है।

भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का किया गया शुभारम्भ–जिला उद्यान अधिकारी

जौनपुर सू.वि. : जिला उद्यान अधिकारी श्रीमती ममता सिंह यादव ने अवगत कराया है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत लोकल उद्योगों को बढावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का शुभारम्भ किया गया है, इस योजना के तहत जनपद में 232 सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित उद्योगों जैसे नमकीन उद्योग, बेकरी उद्योग मिठाई उद्योग पशु एवं मुर्गी चारा, तेल मील, आटा चक्की, पैकिग, इन्क्यूवेशन केन्द्र समेत सामान्य अवसंरचना आदि व्यवसाय को आगे बढाने और राजस्व में वृद्धि के लिए आधारभूत संरचना को सुदृढ करने के लिए कुल लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख रू0 तक के सब्सिडी की उपलब्धता होगी। इसके अतिरिक्त खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित नये उद्योग स्थापित करने वाले व्यक्तिगत उद्यमी, स्वयं सहायता समूह सहकारी संस्थानों को उद्योग लगाने की लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख तक की सब्सिडी तथा विज्ञापन, विपणन, ब्रान्डिग पर 50 प्रतिशत की सब्सिडी की उपलब्धता प्राविधानित है। उद्यमियों द्वारा लागत का 10 प्रतिशत धनराशि स्वंय वहन करना होगा। शेष राशि बैक से ऋण होना चाहिए इच्छुक उद्यमी योजना के विस्तृत दिशा–निर्देश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की बेवसाइट ीजजचेःध्ध्चउउिम. उवचिप.हवअ.पदध पर देखे जा सकते है तथा चउउिम पोर्टल पर आवेदन कर सकते है विस्तृत जानकारी हेतु मो0 नं0 8004228383 तथा करन सिंह (डिस्ट्रिक्ट रिर्सोस पर्सन) मो0 नं0 8299468451 से अथवा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से सर्म्पक कर की जा सकती है।

कम लागत व कम भूमि में करें मत्स्य पालन – मत्स्य विभाग

जौनपुर सू.वि. :मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य शाहिद जमाल ने अवगत कराया है कि जनपद के मत्स्य पालनध्व्यवसाय हेतु इच्छुक व्यक्तियों के लिए वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में 29 परियोजनाओं एवं निषादराज बोट योजना में आनलॉइन आवेदन के लिए विभागीय पोर्टल 30 मई से जन सामान्य के लिए खोल दिया गया है। लाभ प्राप्त करने के लिए परियोजना सम्बन्धित विस्तृत जानकारी पात्रता एवं गाइड लाइन विभागीय पोर्टल एवं विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित है, इसके अलावा जनपदीय कार्यालय मत्स्य पालक विकास अभिकरण, द्वितीय तल, विकास भवन जौनपुर से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में महिलाध अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लाभार्थियों को परियोजना लागत का 60 प्रतिशत तथा अन्य जाति के लाभार्थियों को 40 प्रतिशत अनुदान व निषादराज बोट योजना में सभी को 40 प्रतिशत अनुदान देय होगा। परियोजना लागत की शेष धनराशि लाभार्थी को स्वयं के संसाधन या बैंक से ऋण लेकर करना होगा। आवेदन विभागीय वेबसाइट पिंीमतपमे.नच.हवअ.पदध्. पीमतपमेनच.वतह पर 15 जून 2023 तक किया जा सकता है।

जून माह में 10 दिन प्रभावित रहेगी इन क्षेत्रो में विधुत आपूर्ति

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर : राम आधार जौनपुर अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड–तृतीय, जौनपुर रामआधार ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि भदोही–जौनपुर मार्ग पर पालिटेक्निक चौराहा से सिटी स्टेशन तक रोड चौड़ीकरण का कार्य राष्ट्रीय मार्ग खण्ड, लोक निर्माण विभाग, जौनपुर द्वारा कराया जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण का कार्य दिनांक 04.06.2023 से 14.06. 2023 तक कराया जायेगा। उक्त अवधि में 33ध11 के0वी0 नईगंज से पोषित 11 के0वी0 टाउन नं0–4 से पोषित क्षेत्रों में प्रातः 07:00 बजे से 12:00 बजे तक सामान्य विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड–तृतीय, जौनपुर ने उक्त क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं से कटौती अवधि में अपेक्षित सहयोग देने हेतु अनुरोध किया है। लोगों से अपील किया है कि उक्त समय से पहले अपने घरों में पानी स्टोर कर ले अपने आवश्यक कार्य निपटा ले अपने इनवर्टर को चार्ज करें जिससे कि विद्युत की आपूर्ति न होने पर उन्हें दिक्कतों का सामना न करना पड़े विकास कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें।

राजकीय वाहन लखनऊ के कार्यालय आदेश द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित

जौनपुर (सू0वि0) – विज्ञप्ति संख्या–04 उपायुक्त (क0नि0ध्प्रशासन) राज्य कर ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि राज्य कर (वाणिज्य कर) विभाग जौनपुर के राजकीय वाहन संख्या यू0पी062 ए0जी0 0163 टाटा सूमो को आयुक्त राज्य कर उत्तर प्रदेश लखनऊ के कार्यालय आदेश द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित करते हुए नीलामी की कार्यवाही कराने का आदेश दिया है, जिसके फलस्वरूप जिलाधिकारी जौनपुर के आदेश द्वारा गठित नीलामी समिति द्वारा नीलामी की कार्यवाही 28 जून 2023 को प्रातः 11.00 बजे राज्य कर (वाणिज्य कर) कार्यालय नईगंज, पालिटेक्निक चौराहा जौनपुर के हाल मे प्रारम्भ होगी। प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता वाहन का निरीक्षण करके रू0 10000 रुपये अग्रिम जमा करके बोली में भाग ले सकेंगे। जिसकी बोली अन्तिम होगी उसे तत्काल बोली का भाग

की धनराशि जमा करनी होगी, अवशेष धनराशि नियमानुसार कर सहित (जी0एस0टी0 एव स्टम्प शुल्क) सहित वाहन सुपुर्दगी के समय देय होगा। बोली स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार जिलाधिकारी जौनपुर मे निहित होगा। जौनपुर 03 जून 2023 (सू0वि0)–शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में और पुलिस अधीक्षक डॉ० अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में तहसील शाहगंज में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। तहसील दिवस को सम्पूर्ण समाधान दिवस भी कहा जाता है, यह प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होता है। इसका मुख्य उद्देश्य जन शिकायतों और समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण ढंग व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करना होता है। जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण शासन–प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने बारी–बारी से शिकायतें सुनी और सम्बन्धित अधिकारी को निस्तारण के निर्देश दिये। इस दौरान कुल 168 मामले आये जिसमें से 32 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया और शेष मामलों को सम्बन्धित विभाग को समयबद्व तरीके से निस्तारित करने के लिए सौंप दिया गया। हीरालाल पुत्र रघुनाथ ग्राम भुड़कुड़ही तहसील शाहगंज द्वारा नवीन परती खाते की भूमि के अवैध ढंग से अतिक्रमण करने के संबंध में प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसपर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी शाहगंज को अपने समक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। रामआसरे द्वारा रास्ते के विवाद के संबंध में प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को दिया गया जिस पर जिलाधिकारी ने एस०ओ० शाहगंज को निर्देशित किया कि मौके पर जाकर स्वयं देखें और नियमानुसार कार्यवाही करें। नरेंद्र कुमार यादव द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग इलाहाबाद से शाहगंज पर ग्राम बहवाडीह पर छोटे, बड़े गड्ढे होने के कारण आम जनमानस को समस्या होने के संबंध में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी ने पी०डब्ल्यू०डी० अधिकारी को निर्देशित किया कि मौके पर जाकर अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई करें। इस प्रकार जिलाधिकारी महोदय के समक्ष जमीन विवाद, मार्ग, पीएम सम्मान निधि, अतिक्रमण सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई, जिसपर जिलाधिकारी ने अधिकरियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की जांचकर उनको निस्तारित करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि फरियादियों की शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है, इसलिए सभी अधिकारी रुचि लेकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। भूमि संबंधी मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर त्वरित निस्तारण करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पत्थरगडडी तोडने वाले पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्यवाही करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० लक्ष्मी सिंह, जिला विकास अधिकारी बी०बी० सिंह, पी०डी० जयकेस त्रिपाठी, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल, उपनिदेशक कृषि, उपजिलाधिकारी शाहगंज, तहसीलदार शाहगंज सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एमएलसी पवन सिंह चौहान को बने आवास विकास जिला पंचायत नगर निगम समीक्षा समिति के सदस्य

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सीतापुर से सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान वर्ष 2023–24 हेतु पुनर्गठित उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विकास प्राधिकरण ,आवास विकास परिषद, जिला पंचायतों एवं नगर निगम में व्याप्त अनियमितताओं के अंकुश लगाने एवं जांच किए जाने संबंधी समिति के सदस्य चुने गए हैंद्यपवन सिंह चौहान की कार्य शैली से प्रभावित होकर ११ सदस्यीय समिति में पवन सिंह चौहान को जगह दी गयी, जिसमे विकास प्राधिकरणों , नगर निगम, आवास विकास , के कार्यो में पायी गयी अनियमितताओं ध जांच के समस्त कार्य बनाए गए सदस्यों की जिम्मेदारी होगी। उत्तरप्रदेश विधान परिषद् , समिति का गठन इन सभी निकाय के कार्यो का परिशोधन कर कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि करना हैं।

इस अवसर पर पवन सिंह चौहान ने खुशी जताई एवं सभापति महोदय का आभार जतायाद्य उन्होंने कहा कि सभापति ने जो भरोसा जताया है उनकी आशा पर पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने के लिये सदैव कृतसंकल्पित रहूंगाद्य विकास प्राधिकरणों में किसी भी तरह की अनियमितता ना हो एवं प्रदेश वासियों के लिये बेहतर कार्य किया जा सके इसके लिये पूर्ण प्रयास किया जाएगा।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए साईकिल जरूर चलाये – डॉ प्रीति शर्मा

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बागपत की प्रधानाचार्य, प्रमुख समाज सेविका एवं साईकिलिस्ट डॉ प्रीति शर्मा ने विश्व साइकिल दिवस पर लोगों को साइकिल की महत्ता से अवगत कराया और बताया कि साईकिल हमें स्वस्थ रखती है। साईकिल चलाने से हमारे फेफड़े, दिल व शरीर के अन्य अंग फिट रहते है। साथ ही साईकिल चलाने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। साईकिल चलाने से हमारा शरीर स्वस्थ व फिट रहता है। साईकिल हमारी बहुत सारी बीमारी जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर, डिप्रेशन,भूख न लगना ,नींद न आना, बेचौनी आदि को दूर करती है। साथ ही ईंधन की भी बचत होती है और यह पर्यावरण को भी शुद्ध बनाती है, संरक्षित रखती है। डॉ प्रीति शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ समय में साईकिल का चलन कम हो गया था। लोग ज्यादातर आने–जाने में बाइक व स्कूटी को तरजीह देने लगे थे, लेकिन अब उन्हें साईकिल के महत्व के बारे में पता चला है। अब अधिकांश लोग अपने शरीर को फिट रखने के लिए साईकिल चला रहे हैं जो बहुत अच्छा है। साईकिल के जरिए जहां बिना खर्चे के आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाया जा सकता है, वहीं यह हमारे शरीर को फिट रखने में भी काफी मददगार साबित हो रही है, इसलिए सभी को प्रतिदिन कुछ किलोमीटर साईकिल जरूर चलानी चाहिए।

तहसील दिवस पर डीएम ने कर्मियों को समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के लिए दिए निर्देश

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिलाधिकारी नितीश कुमार ने संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील रुदौली में जन सामान्य की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का तुरंत व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सार्वजनिक भूमियों यथा चकमार्ग, खलिहान आदि को अतिक्रमण से मुक्त रखने तथा सार्वजनिक भूमियों पर अवैध अतिक्रमण करने वालों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त खंड विकास अधिकारियों को संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर अपने–अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त ग्राम पंचायत में अस्थाई निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल बनाने हेतु भूमि चयन का कार्य आगामी एक सप्ताह में पूर्ण कर अवगत कराने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त ग्राम पंचायतों में पशुचर/रती/बंजर भूमि का चयन कर प्रधानों के द्वारा नियमानुसार अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल का निर्माण एवं संचालन कराकर निराश्रित गोवंशीय समस्या का अस्थाई समाधान सुनिश्चित होगा। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को उक्त कार्य को शीर्ष प्राथमिकता पर कराए जाने के निर्देश दिए।संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को जन समस्या की समस्याओं

को गंभीरता के साथ सुनने व उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने तथा जनपद के विभिन्न राजस्व न्यायालयों पर लंबित वादों को नियमानुसार त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित किये जाने के भी निर्देश दिए।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 340 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं जिसमें से 7 प्रकरणों को मौके पर निस्तारित किया गया शेष को जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया।इस अवसर पर विधायक रुदौली श्री रामचंद्र यादव, उप जिला अधिकारी रुदौली, उप जिलाधिकारी न्यायिक रुदौली, सीओ रुदौली सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नये नियम को ताख पर रखकर एआरटीओ विभाग कर रहा काम

जौनपुर क्राईम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा : एआटीओ विभाग लर्निंग लाईसेंस बनाने के नये नियम को धता बताते हुए अपनी जेब भरने के लिए आवेदको के जेब पर खुलेआम डाका डाल रहा है। पांच सौ रूपये रिश्वत लेकर लाईसेंस जारी कर रहा है, जो आवेदक नये नियम के तहत ऑन लाइन टेस्ट देकर आवेदन करता है तो उसके टेस्ट में बैक से आवाज आना बताकर कैंसिल कर दिया जा रहा है। विभाग के इस मनमानी रवैये के चलते योगी सरकार की मंशा पर पानी फेरा जा रहा है। प्रदेश भर में आरटीओ कार्यालय में लर्निंग लाइसेंस बनवाने वाले उमड़ रही युवाओं की भीड़ को कम करने व दलाली प्रथा पर रोक लगाने के लिए योगी सरकार ने ऑनलाइन आवेदन और टेस्ट देने का नियम बनाया है। लेकिन जौनपुर एआरटीओ विभाग योगी सरकार के इस नये नियम को दरकिनार करके अपने हिसाब से लार्निगं लाईसेंस जारी कर रहा है। विभागीय सूत्रो के अनुसार लार्निगं लाईसेंस के लिए सरकार ने साढ़े तीन सौ रूपये निर्धारित किया है लेकिन विभाग के अधिकारियों ने अपने खास दलालो के माध्यम से नौ सौ से एक हजार रूपये वसूल रहे है। जो आवेदक नये नियम के तहत ऑनलाइन आवेदन और टेस्ट देता है उसके बैक ग्राउण्ड से आवाज आना बताकर आवेदन कैंसिल कर दिया जा रहा है जिसके कारण मजबूरी में आवेदक रिवश्वत देकर लाईसेंस बनवा रहे है। इस मामले पर एआरटीओ का पक्ष लेने के लिए फोन किया गया तो उन्होंने मोबाईल फोन रिसीव नही किया। सरकार के नये नियम के अनुसार परिवहन विभाग लगातार डीएल बनवाने की प्रक्रिया का आसान करने के लिए प्रयास कर रही है। इस ओर एक कदम आगे बढ़ाते हुए विभाग ने पिछले दिने ये व्यवस्था लागू की है कि अब लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदक को टेस्ट देने के लिए आरटीओ ऑफिस आने की जरूरत नहीं है। आवेदक घर बैठे ही टेस्ट दे सकता है और टेस्ट के नतीजे के आधार पर आरटीओ आवेदक का लर्निंग लाइसेंस बना के उसके पते पर भेज देगा। अभी तक लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने के बाद आरटीओ कार्यालय आयोजित टेस्ट के लिए आवेदक को कार्यालय जाना पड़ता था लेकिन अब ऐसा नहीं करना होगा। ये है नई व्यवस्था पुरानी प्रक्रिया के तहत आरटीओ की वेबसाइट पर आवेदन करने के बाद आरटीओ की ओर से बायोमेट्रिकर व टेस्ट के लिए आवेदव को डेट दी जाती थी जिस डेट पर जाकर आवेदक टेस्ट देता था। लेकिन अब आवेदन करने के साथ ही आवेदक को आरटीओ की ओर से ऑनलाइन टेस्ट के लिए डेट बता दी जाएगी जिस दिन आवेदक आरटीओ की ऑफीशियल वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन टेस्ट दे सकता है। अगर आवेदक टेस्ट में पास होगा तो आरटीओ आवेदक के पते पर लर्निंग लाइसेंस भेज देगा।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने परिसर में निकाला साइकिल मार्च

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 3 जून शनिवार को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा परिसर में साइकिल रैली निकाली गई।ध राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने परिसर में साइकिल रैली का आयोजन किया। इसमें कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर विश्व विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ.राज बहादुर यादव ने कहा कि विश्व साइकिल दिवस मनाने का निर्देश भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा दिया गया है। इस अवसर पर एनएसएस समन्वयक डॉ राजबहादुर, पूर्व समन्वयक प्रो.राकेश कुमार यादव, कुलपति के निजी सचिव डॉ.लक्ष्मी प्रसाद मौर्य विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ शशिकांत यादव, डॉ. श्याम कन्हैया,डॉ. प्रमोद कुमार,डॉ.सुदर्शन एवम श्री ईश्वर चंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

जिला व निजी चिकित्सालय में डायरिया से पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा

अयोध्याब्यूरो :धूप में बच्चे व बुजुर्ग बाहर निकलने से परहेज करें।क्योंकि इस गर्मी में खासकर बच्चे व बुजुर्ग बीमार हो सकते है।क्योंकि इस समय बीमारी अपना पांव पसार रही है। इधर जिला चिकित्सालय में पिछले दो दिनों में लगभग एक दर्जन से अधिक डायरिया से पीड़ित बच्चे भर्ती है।इसके अलावा निजी चिकित्सालय में डायरिया से पीड़ित कई बच्चों का इलाज चल रहा है।जिला चिकित्सालय में सबसे अधिक शहर की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों से डायरिया से पीड़ित बच्चे भर्ती है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी बच्चों के अलावा बुजुर्ग भी इस रोग से काफी संख्या में दिखाई दे रहे हैं। लेकिन उनकी दशा और गंभीर तब और हो जा रही है जब वे कम पैसों के लालच में झोलाछाप डॉक्टर से अपना इलाज कराने में लगे रहते है। जिसके चलते उनका सही इलाज न होने पर उनकी दशा और गंभीर हो जाती है। कुल मिलाकर इस समय अगर देखा जाए तो डायरिया धीरे धीरे जिले में अपना पांव पसार रहा है। इस समय फैलने वाले रोगो के बारे में जानकारी देते हुए शहर के चिकित्सक डाक्टर राम जी सैनी ने बताया कि इस गर्मी में डायरिया,हीट स्ट्रोक सहित कई बीमारियां फैलती है।इस बीमारी से खासकर छोटे छोटे बच्चे ग्रसित रहते है।उन्होंने बताया कि इसमें रोगी के शरीर में पानी की कमी हो

जाती है जिसके चलते रोगी चक्कर आना,जी मिचलाना, मुंह सूखना जैसे प्रारम्भिक लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके अलावा रोगी को उल्टी, दस्त बार बार आती है। जिसके चलते रोगी काफी कमजोर हो जाता है। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी बच्चों या अन्य व्यक्तियों को इस तरह का लक्षण दिखाई दे तो वह तुरंत अपने नजदीकी चिकित्सक से संपर्क करे। उन्होंने बताया कि चिकित्सक से संपर्क करने के अलावा रोगी इस समय खासकर तरल पदार्थ, तरबूज, खरबूजा,खीरा,ककड़ी, मट्ठा, नींबू पानी, इलेक्ट्राल का घोल आदि का सेवन करें। खासकर शरीर में पानी की कमी नहीं होने दे।

डॉ.मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस 2023 की थीम '''मिशन लाइफ–बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन'''–को ध्यान में रखते हुए नवयुग कन्या महाविद्यालयए राजेन्द्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय एवं मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया ।जिसमें पोस्टर/ स्लोगन के माध्यम से बड़ी संख्या में कैडेट्स ने भाग लिया तथा सभी ने यह दर्शाया कि प्लास्टिक का प्रयोग न केवल मनुष्य अपितु सभी जीवों के लिए हानिकारक है। मेजर (डॉ.)मनमीत कौर सोढ़ी ने कहा कि सुविधाजनक मानकर हम इसे अपनी आदत बना लेते हैंए परन्तु जब वही सुविधा जीवन के लिए संकट बन जाए, तो उसे छोड़ देना

ही हितकर है। रीयूज, रीडयूज व रिफयूज को अपना कर हम पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। केवल प्रतिबंध के द्वारा ही इसके प्रयोग को नहीं रोका जा सकता, बल्कि सभी नागरिकों के सहयोग से ही इस पर नियंत्रण संभव है।प्रो मंजुला उपाध्याय ने कहा कि हम सभी को अपने स्तर से अपने पर्यावरण के प्रति अपने दायित्व का निवर्हन करना होगा, तभी स्वच्छ व स्वस्थ्य समाज का निर्माण संभव हो सकेगा। कैडेट्स को शपथ भी दिलाई गई कि पर्यावरण के निर्माण तथा संरक्षण के प्रति अपने–अपने घर में तथा अपने आसपास खाली पड़े स्थान पर पौधरोपण करने तथा निरंतर उसकी देखभाल करेंगे ।इसके साथ ही पानी के गंभीर संकट को देखते हुए जल संरक्षण के हर संभव प्रयास करने का संकल्प भी किया गया ।कार्यक्रम का आयोजन ग्रुप एनसीसी निदेशालय के निर्देशानुसार लखनऊ मुख्यालय के ग्रुप कमाण्डर ब्रिगेडिसर नीरज पुनेठा सर एवं 19 बटालियन के कमांडिग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया।भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की दिशा और दशा में स्पष्ट सकारात्मक परिवर्तन दिखता है –अभिजात मिश्र

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : भारतीय जनता पार्टी के महा संपर्क अभियान के अंतर्गत हरदोई एवं मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन संपन्न हुए। प्रबुद्ध सम्मेलन में सम्मेलन मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा रहे अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र ने की संचालन राजेश अग्निहोत्री ने किया हरदोई के डिवाइन बैंक्विट हॉल में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभिजात मिश्रा ने कहा यहां पर आई हुई है डॉक्टर इंजीनियर शिक्षक अधिवक्ता सीए प्रमुख व्यवसाय उसे प्रबुद्ध वर्ग से आते हैं जो समाज को दिशा देने का कार्य करता है। क्योंकि परिस्थितियों का आकलन करने में प्रबुद्ध वर्ग अग्रणी रहता है यही कारण है 2014 के पहले कांग्रेस के भ्रष्ट शासन तंत्र कुछ सबसे पहले नकार कर आप सब ने मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया और बनाया 2019 के चुनाव के पहले उत्तर प्रदेश में सपा बसपा जैसे अपराजित दिखने वाले गठबंधन एवं कांग्रेस के नेताओं द्वारा मोदी के विरुद्ध तरह–तरह के अनर्गल बयान देने के बाद भी आप सबका भरोसा मोदी पर कायम रहा यहां तक की आपने उस अनर्गल बयानों की विपक्ष को सजा देते हुए भी भारतीय जनता पार्टी और बड़ा जनादेश दिया। आज मोदी सरकार

के 9 वर्ष पूर्ण होने पर देश की दशा और दिशा में स्पष्ट सकारात्मक परिवर्तन दिखता है तब भी विपक्ष अपनी पुरानी अनर्गल कृत्य पर कायम है जबकि प्रबुद्ध वर्ग के साथ ही पूरे देश की जनता मोदी जी के साथ खड़ी है आपका दायित्व और बढ़ जाता है कि आप समाज में लोगों को मोदी के पक्ष में प्रेरित करेंप्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को सांसद जयप्रकाश रावत उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी स्नातक एमएलसी इंजीनियर अवनीश ने भी संबोधित किया।इससे पूर्व मिश्रिख लोकसभा का प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन मल्लावा में मिश्रिख लोकसभा के सांसद अशोक रावत एवं क्षेत्रीय विधायक आशीष सिंह आशु की मौजूदगी में संपन्न हुआ हरदोई के सम्मेलन में प्रमुख रूप से डॉक्टर सीपी कटियार अजय सिंह नवीन सक्सेना अधिवक्ता त्रिलोकी सिंह गौर अमरेंद्र नाथ मिश्रा मंत्री बाबू तथा प्रमुख सीए गण व्यवसाई गण मौजूद रहे

सरयू नदी में डूबकर युवक की मौत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) शनिवार को कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में सरयू स्नान के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक डूबे हुए मृतक की पहचान विजय कुमार (24) अमेठी के रूप में हुई है।कच्चे घाट पर स्नान के दौरान वह गहरे पानी में चला गया था। स्थानीय गोताखोरों ने जल पुलिस की मदद से युवक के शव को खोज निकाला।बताया जा रहा है कि मृतक विजय दर्शन पूजन के लिए अयोध्या पहुंचा था।जल पुलिस का कहना है कि टीम ने गोताखोर हरीश, मिथुन, संजय निषाद मुन्ना की मदद से शव बरामद किया है।सरयू स्नान के दौरान गहराई में चले जाने के कारण डूबने पर उसने काफी पानी पी लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।वही पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

आरोपी को सश्रम सजा व जुर्माना

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) शनिवार को विशेष न्यायालय पास्को–3 की अदालत ने महिला संबंधित अपराधो में दो आरोपी सुमेन्द्र उर्फ मोटू पुत्र भगौती निवासी जलवानपुरा थाना राम जन्मभूमि जनपद अयोध्या एवं रईस पुत्र हलीम निवासी रेलवे कालोनी थाना अयोध्या जनपद अयोध्या विभिन्न धाराओं व ¾ पाक्सो एक्ट व 3(2)अ sc/st एक्ट में क्रमशः 07 वर्ष व 03 वर्ष सश्रम कारावास व क्रमशः 38000 व 18000 अर्थदंड की सजा सुनाई।

गुमशुदा व्यक्ति को बरामद कर किया परिजन को सुपुर्द

अयोध्याब्यूरो : जीआरपी ने राजस्थान प्रांत के गुमशुदा व्यक्ति को उसके परिजन को सौंपा।गुरुवार को जीआरपी कर्मी जब अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण कर रहे थे तभी अयोध्या कैन्ट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं0 एक पर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक व्यक्ति का नाम पता पूछते हुए यहा आने का कारण पूछा तो उसने अपनी पहचान प्रधुमन सिंह राजावत पुत्र शंकर सिंह राजावत निवासी दीन दयाल कालोनी वार्ड नंबर 20 निवई टोंक राजस्थान के रुप में बताया।उन्होंने बताया कि 23 मई को अपने निजी समस्या को लेकर बिना किसी के बताये निकल आया। मेरे घर वाले एफआईआर दर्ज कराकर मुझे खोज रहे है।उसने यह भी बताया कि उसे थाना हनुमान नगर जिला भीलवाडा राजस्थान की पुलिस भी खोज रही है। इस संबंध में जीआरपी थानाध्यक्ष एस पी शुक्ला ने बताया कि उप निरीक्षक विक्टर जेम्स ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया।जाँच पड़ताल के बाद यह पाया गया इसमें थाना हनुमान नगर जिला भीलवाडा राज्य राजस्थान में गुम हो जाने की गुमशुदगी परिजनो द्वारा दर्ज कराया गया था।दूरभाष की सूचना पर राजस्थान पुलिस बल व उसके परिजन के साथ आए कमल सिंह राजावत को गायब व्यक्ति प्रधुमन सिंह को सौंपा।

खाद्य पदार्थों में मिलावट : 11 के नमूनों में कारोबारियों पर 2.67 लाख जुर्माना

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता अयोध्या) अयोध्या।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा बीते दिनों लिए गए अलग–अलग खाद्य पदार्थों के नमूनों में मिलावट पाए जाने पर न्यायालय ने 11 कारोबारियों पर 2.67 लाख का जुर्माना ठोंका है।जुर्माने की धनराशि अविलंब जमा कराने के लिए निर्देशित किया है।इस संबंध में सहायक आयुक्त खाद्य मानिकचंद्र सिंह ने बताया कि कारोबारी जितेश राजपाल व रेखा राजपाल के प्रतिष्ठान से लिए गए मिल्क रस्क के नमूने में मिलावट मिलने पर सर्वाधिक एक लाख का जुर्माना लगाया गया है।वहीं, भुलईपुर निधियांवा राकेश कुमार पर 25 हजार, श्रृंगारहाट निवासी अजय कुमार पर बीस हजार, कनकपुर झगरौली निवासी रामकल्प पर 16 हजार, रुकुनपुर निवासी विपिन कुमार पाल पर 18 हजार, गुरौली निवासी सूर्यलाल पर 16 हजार, खडपिपरा निवासी अजय कुमार पर 15 हजार, करम अली का पुरवा निवासी अंश यादव पर 13 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। बताया कि जुर्माने की धनराशि जमा करने के लिए नोटिस जारी की जा रही है।

जिला महिला चिकित्सालय में प्रसव सुविधा के नाम पर अवैध वसूली के मामले में हुई शिकायत

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता) अयोध्या। जिला महिला चिकित्सालय में प्रसव सुविधा के नाम पर अवैध वसूली के मामले में शिकायत मिलने पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उपमुख्यमंत्री को शिकायती पत्र में बताया गया कि जिला महिला चिकित्सालय में प्रसुताओं से प्रसव सुविधा के नाम पर पैसे ऐंठने का आरोप लगाया है।शिकायती पत्र में कुछ प्रकरणों में सीएमएस की ओर से आरोपितों से स्पष्टीकरण मांगे जाने का भी जिक्र किया है। शिकायत कर्ता ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार लगातार काम रही है लेकिन जनपद में कुछ लोग सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर वसूली करने वाले लोग कदापि बख्शे नहीं जाएंगे।

चौकी प्रभारी रामनगर लाइन हाजिर

अयोध्या। पुलिस कप्तान मुनिराज जी ने कोतवाली नगर क्षेत्र के राम नगर चौकी प्रभारी गोविंद अग्रवाल को लाइन हाजिर कर जितेंद्र यादव को नया राम नगर चौकी प्रभारी बनाया। इसके अलावा उन्होंने इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह को विशेष जांच प्रकोष्ठ के प्रभारी के साथ–साथ आईजीआरएस का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा।जबकि सब इंस्पेक्टर साधना सिंह जनसूचना कार्यालय भेजी गई।जबकि इंस्पेक्टर चंद्रभूषण सिंह यादव कोतवाली नगर से थाना हैदरगंज भेजे गए।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।